साप्ताहिक

पंजियन क्रमांक – mphin / 2018/ 76962

नीमच हेडलाइन्स

संस्थापक – स्व॰ इन्द्रदेव जी जाजपुरा

संपादक अविनाश जाजपुरा

वर्ष -03 | अंक - 24 | बुधवार 21 / 10 / 2020 | पृष्ठ - 4 | मूल्य - 5 रूपए

covid-19 update

NMH मे सन्क्रमित	MP मे सन्क्रमित	IND मे सन्क्रमित	WRD मे सन्क्रमित
2205	12996	748538	40855678

एएसआई समेत तीन ओर पुलिसकर्मी निलंबित। -उज्जैन

अब तक तीन आरक्षक बनाए जा चुके सहआरोपि एक की तलाश। जिस फैक्ट्री से स्प्रिट लाए थे, उसके मालिक को भी बनाया आरोपित। जहरीली शराब पीने से 14 लोगों की मौत के मामले में एक एएसआइ सहित तीन और पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा पहले से निलंबित महाकाल थाने के आरक्षक सुदेश खोड़े को भी केस में सह आरोपित बनाया गया है। पुलिस खोड़े की तलाश कर रही है। अब तक तीन आरक्षक को सहआरोपित बनाया जा चुका है। मामले में एक फैक्ट्री के मालिक और मैनेजर को भी आरोपित बनाया गया। जहरीली शराब बनाने में उपयोग में लाई गई स्प्रिट इसी फैक्ट्री से मंगवाई गई थी। सोमवार को पुलिस ने इस केस के 12 आरोपितों को कोर्ट में पेश किया। इनमें से नौ को जेल भेज दिया गया, जबकि तीन को पुलिस रिमांड पर सौंपा गया है। ये निलंबित हुए खाराकुआं थाने में पदस्थ एएसआइ रामस्वरूप गोमे, प्रधान आरक्षक गोपाल सिंह बैस व आरक्षक पंकज भदौरिया को सोमवार को निलंबित किया गया। मामले में और भी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की जा सकती है। दो दिन पहले निलंबित, अब फरार खाराकुआं थाना के टीआई जितेंद्र भास्कर के अनुसार महाकाल थाने में पदस्थ आरक्षक सुदेश खोड़े को भी गैर इरादतन हत्या के मामले में सह आरोपित बनाया है। उसे दो दिन पहले ही निलंबित किया गया था। इसके बाद से ही वह फरार है। आरोप है कि सुदेश भी आरोपितों से मिला हुआ था। जांच में उसके खिलाफ भी कुछ तथ्य सामने आए हैं। फिलहाल वह फरार है। स्प्रिट से सैनिटाइजर भी बनता था, गड़बड़ी की आशंका पुलिस जांच में यह तथ्य भी सामने आया है कि जिस स्प्रिट का इस्तेमाल शराब बनाने के लिए किया गया, उसमें गड़बड़ थी। केमिकल फैक्ट्री से यह स्प्रिट लाई गई थी। एसआइटी ने भी इस बात की आशंका जताई थी। अब जांच अधिकारी यह पता लगा रहे हैं कि स्प्रिट में क्या कोई अन्य केमिकल मिला था अथवा वह कुछ और था। पुलिस का कहना है कि इसी स्प्रिट से उद्योग में सैनिटाइजर भी बनाया जा रहा था। पुलिस फॉरेंसिक जांच भी करवा रही है।

अधिक खबरों के लिए प्ले स्टोर से हमारा एप्प डॉउनलोड करे और पाए क्षैत्र ,देश व दुनिया की हर खबर सबसे पहले , सबसे तेज।

नीमच हेडलाइंस

सम्पर्क – 9893796737

अमित शाह का राहुल पर पलटवार , १९६२ मे दिखाना थी हिम्मत !

भारत चीन तनाव पर बोले अमित शाह ।

शाह ने कहा, १५ मिनट का फार्मूला उन्हें १९६२ में लागू करना चाहिए था, जब हमारे तत्कालीन प्रधानमंत्री ने असम को अलविदा कह दिया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारत-चीन सीमा पर तनाव को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की हालिया टिप्पणी पर तंज कसते हुए कहा कि विपक्षी पार्टी को १९६२ में साहस दिखाना चाहिए था, जब चीन ने भारत के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया। कृषि कानूनों के खिलाफ हरियाणा में एक रैली के दौरान राहुल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जोरदार हमला किया था। उन्होंने कहा था कि यदि कांग्रेस के पास आज सत्ता होती तो वह चीनी सैनिकों को १५ मिनट में खदेड़ देती। शाह ने कहा, १५ मिनट का फार्मूला उन्हें १९६२ में लागू करना चाहिए था, जब हमारे तत्कालीन प्रधानमंत्री ने असम को अलविदा कह दिया था। राहुल की पार्टी को इस समय यह तरीका बताने के बजाय कि चीन से जमीन कैसखाली कराई जाए, भारत-चीन युद्ध के समय साहस दिखाना चाहिए था। शाह ने कहा, संबंध सुधारने का यह मतलब नहीं है कि आप राष्ट्रीय हित छोड़ देंगे। यह १९६२ नहीं है। मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि हम किसी को देश की एक इंचजमीन पर कब्जा करने नहीं देंगे। कोरोना से निपटने के तरीके की विपक्ष द्वारा आलोचना किए जाने के सवाल पर शाह ने फिर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हम और आप ाहुल गांधी को नहीं समझा सकते। हर चुनाव में जनता ही उन्हें समझाएगी। उन्होंने कहा कि सीमा विवाद के समाधान के लिए भारत और चीन के शीर्ष सैन्य अधिकारियों और राजनयिकों के बीच बातचीत का दौर जारी है। हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि देश की संप्रभुता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। मोदी सरकार भारत की एक-एक इंच जमीन की सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है। चीन-भारत गतिरोध पर बोले अमित शाह- कोई हमारी एक इंच जमीन भी नहीं ले सकता इसी तरह एक अन्य साक्षात्कार में उन्होंने भारत और चीन को लेकर चले आ रहे तनाव पर अपनी बात ही। उन्होंने कहा कि, मोदी सरकार देश की एक-एक इंच जमीन को बचाने के लिए पूरी तरह सजग है और कोई इस पर कब्जा नहीं कर सकता। शाह ने यह भी कहा कि सरकार चीन में लद्दाख के साथ गतिरोध को सुलझाने के लिए हरसंभव सैन्य और कूटनीतिक कदम उठा रही है।

क्या चीन ने भारतीय क्षेत्र में प्रवेश किया है, इस प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि हम अपने एक-एक इंच भूभाग को लेकर चौकन्ने हैं, कोई इस पर कब्जा नहीं कर सकता। हमारे रक्षा बल और नेतृत्व देश की संप्रभुता और सीमा की रक्षा करने में सक्षम हैं। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार देश की संप्रभुता और सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के संदर्भ में शाह ने विश्वास जताया कि एनडीए दो-तिहाई बहुमत हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार चुनाव के बाद राज्य के अगले मुख्यमंत्री होंगे।

अमित शाह ने एक मीडिया से बातचीत में साफ किया कि लोजपा अध्यक्ष चिराग पासवान से बातचीत तो हुई थी, उन्हें कई बार प्रस्ताव दिया गया, यह भी बताया गया कि कोई बात है तो बातचीत हो सकती है, लेकिन बात नहीं बनी। उन्होंने कहा कि इस बार के चुनाव में जदयू के रूप में नया साथी जुड़ा है तो सबकी सीटें कम होनी तय थी। भाजपा भी कम सीटों पर लड़ रही है। चिराग पासवान के साथ बात नहीं बन पाई। प्रस्तावित सीटों की संख्या बताने से इनकार करते हुए शाह ने एक सवाल के जवाब में कहा कि चुनाव में राजग तीन चौथाई सीट जीत कर सरकार बनाएगा.. चिराग खुद राजग छोड़कर गए हैं।

कुकडेश्वर पुलिस ने १५ लीटर कच्ची शराब सहित ३ आरोपियो को किया गिरफ्तार ।

कुकडेश्वर। पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय व अति. पुलिस अधीक्षक सुंदर सिँह कनेश के मार्गदर्शन तथा अनु. अधिकारी पुलिस संजीव मिले के निर्देशन व थाना प्रभारी राजेश सिंह के नेतृत्व में आज कुकडेश्वर पुलिस द्वारा उज्जैन की घटना को ध्यान मे रखते हुए 15 लीटर अवैध हाथ भट्टी की कच्ची शराब जब्त करने मे सफलता प्राप्त की। साथ ही तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।उक्त तीनो कार्यवाही के दौरान कुकड़ेस्वर पुलिस द्वारा अवैध हाथ भट्टी की कच्ची शराब निर्मित करने वाले व्यक्तियो पर नकेल कस्ते हुए उक्त व्यक्तियों के घरो पर दबिश दी व अवैध शराब बनाने के उपकरण व मुहुए के लहान भी मोके पर नस्ट किये गये कुकड़ेस्वर पुलिस द्वारा अवैध शराब बनाने वाले लोगो पर निरंतर कार्यवाही की जारही है और ये अभियान प्रतिदिन जारी रहेगा।उक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी राजेश सिंह चौहान उनि निलेश सोलंकी व पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही

सम्पादकीय

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप पुलिस सुधार नहीं हुए तो देश के लोकतांत्रिक ढांचे के लिए गंभीर खतरा खड़ा हो सकता है। यह 22 सितंबर शपुलिस सुधार दिवस के रूप में याद किया गया, क्योंकि 2006 में इसी तिथि को सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस सुधार संबंधी अपना ऐतिहासिक फैसला दिया था। 14 वर्ष बीत गए, लेकिन उक्त फैसले में दिए गए निर्देशों के अनुपालन का संघर्ष अभी भी चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने उक्त फैसले में लिखा था कि उसके निर्देश तभी तक लागू रहेंगे, जब तक केंद्र सरकार और राज्य सरकारें इन निर्देशों के अनुरूप अपने–अपने अधिनियम नहीं बना लेतीं। राज्य सरकारों ने इस बिंदु का लाभ उठाते हुए जल्दी–जल्दी अधिनियम बना लिए। अभी तक देश के 18 राज्यों ने अपने–अपने पुलिस अधिनियम बना लिए हैं। कायदे से इन अधिनियमों का उद्देश्य यह होना चाहिए था कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का अनुपालन हो, परंतु वास्तव में इन अधिनियमों द्वारा वर्तमान व्यवस्था को ही कानूनी जामा पहना दिया गया। दरअसल राज्य सरकारें यह चाहती थीं कि वे सुप्रीम कोर्ट के पर्यवेक्षण से बाहर हो जाएं। इसी नीयत से उन्होंने मनचाहे तरीके से अपने कानून बना लिए। यह दूसरी बात है कि इन कानूनों की संवैधानिकता को सुप्रीम कोर्ट में देश के जाने–माने वकील हरीश साल्वे ने चुनौती दी है। बाकी राज्यों ने पुलिस सुधार के लिए शासनादेश जारी किए। कुल मिलाकर वास्तविकता यह है कि सभी अधिनियम और शासनादेश सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का जहां–तहां उल्लंघन करते हैं। जस्टिस थॉमस कमेटी ने 2010 में अपनी रिपोर्ट में यह स्पष्ट रूप से लिखा भी था कि किसी भी राज्य ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का ईमानदारी से अनुपालन नहीं किया। चूंकि सुप्रीम कोर्ट द्वारा पुलिस सुधारों की मॉनिटरिंग जारी है, इसलिए इस संबंध में बीते दिनों देश के कई विशिष्ट नागरिकों ने एक अपील जारी की। अपील में इस बात पर खेद प्रकट किया गया कि देश की किसी भी बड़ी राजनीतिक पार्टी ने पुलिस सुधार में आवश्यक दिलचस्पी नहीं ली। ऐसा प्रतीत होता है कि सभी राजनीतिक दल पुलिस को अपने राजनीतिक एजेंडे की पूर्ति का साधन समझते हैं। यह भी कहा गया कि पुलिस सुधार के बिना देश की प्रगति नहीं हो सकती और चेतावनी दी गई कि अगर पुलिस सुधार नहीं हुए तो देश के लोकतांत्रिक ढांचे के लिए एक दिन गंभीर खतरा खड़ा हो सकता है। अपील में यह भी उल्लेख किया गया कि देश की आर्थिक प्रगति के लिए पुलिस सुधार आवश्यक हैं, क्योंकि बिना बेहतर शांति–व्यवस्था के निवेशक आकर्षित नहीं होंगे। इस अपील पर हस्ताक्षर करने वालों में भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस आरसी लाहोटी और जाने–माने वकील फली नरीमन समेत कई पूर्व पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी शामिल थे। इस अपील को कॉमन कॉज, कॉमनवेल्थ ह्युमन राइट्स, एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स, फाउंडेशन फॉर रेस्टोरेशन ऑफ नेशनल वैल्यूज, सिटीजंस फोरम इंडिया आदि ने भी अपना समर्थन दिया। सुप्रीम कोर्ट में पुलिस सुधार की लड़ाई तो चलती रहेगी, लेकिन पुलिस सुधार का एक आंतरिक पहलू भी है, जिस पर अभी तक विशेष ध्यान नहीं दिया गया है। वास्तव में यह पहलू पुलिस अधिकारियों के कार्य क्षेत्र में आता है। खास बात यह है कि इन सुधारों के लिए न तो अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता होगी, न ही राज्य सरकार को अधिनियम बनाने होंगे और न ही इन सुधारों का राजनीतिक या किसी अन्य स्तर पर विरोध होगा। पुलिस को सिर्फ अपनी आंतरिक व्यवस्था ठीक करनी होगी। सबसे पहले तो थाने का माहौल बदलना होगा। आज की तारीख में कोई भी शिकायतकर्ता थाने में जाता है तो उसके मन में अनेक प्रकार की शंकाएं होती हैं। रिपोर्ट लिखी जाएगी या नहीं, रिपोर्ट लिखने में कहीं पैसा तो नहीं मांगा जाएगा, कितने घंटे थाने बैठना पड़ेगा, शिकायत पर कोई कार्रवाई होगी या नहीं? यदि शिकायतकर्ता कोई महिला हुई तो उसके मन में यह सवाल भी उमड़ता है कि मेरे साथ सही व्यवहार होगा या नहीं? क्या यह संभव नहीं कि शिकायतकर्ता थाने में इस विश्वास के साथ जाए कि न केवल उसकी तकलीफ सुनी जाएगी, बल्कि उस पर आवश्यक कार्रवाई भी होगी। कोई व्यक्ति जब अस्पताल जाता है तो इसी आशा के साथ जाता है कि उसे कुछ दवा दी जाएगी और उससे उसे लाभ होगा।

स्वच्छ दृष्टि से देखने पर संसार भी स्वच्छ लगता है !

विनोद मुनि जी

यह बात संयम रत्न विजय जी ने कही। वे विकास नगर जैन श्वेतांबर श्री महावीर स्वामी जिनालय में आयोजित चातुर्मास के दौरान कल्याण मंदिर स्तोत्र का भावार्थ समझाते हुए बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि हे प्रभु आपका आश्रय व सहारा लेने वाला मनुष्य जन्म रूप संसार सागर से पार उतर जाता है। जिसका जन्म हुआ, उसकी मृत्यु भी निश्चित है, लेकिन प्रभु की शरण में जाने से जीवन धन्य हो जाता है। पुण्य कर्म के बगैर ध र्म-लक्ष्मी नहीं मिलता - विनोद मुनि जी अंतर्मन के शुद्ध भाव और पुण्य कर्म के बिना धर्म-लक्ष्मी की प्राप्ति नहीं होती। इसके साथ मनुष्य में आत्मदर्शन की कला का होना भी आवश्यक है। क्रिया शुद्ध भाव से करेंगे तो भाव भी शुद्ध होंगे। अंतर्मन में प्रसन्नाता धर्म-लक्ष्मी की प्राप्ति का कारण होती है। यह बात विनोद मुनि जी ने कही। वे रविवार सुबह जैन कॉलोनी स्थित जैन स्थानक भवन में आयोजित धार्मिक मंगल संदेश प्रसारण में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि माता-पिता व संतों के नाम से हम प्याऊ खोलते हैं तो हमारा पुण्य बढ़ता है और पाप घटता है। यदि हम भोजन प्रसाद ग्रहण करने के साथ झूठा छोड़ते हैं तो हमारा पाप बढ़ता है और पुण्य घटता है। इसलिए हम संसार में रहते हुए प्रत्येक कर्म करते समय पुण्य-पाप का अंतर भी ध्यान में रखें तो हमारा कल्याण हो सकता है।

स्वास्थ्य कर्मियों का स्वास्थ्य , परीक्षण एवं उपचार, दवाइयां दीं

फिट हेल्थ वर्कर अभियान के तहत स्वास्थ्य कर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार किया जा रहा है। विभिन्ना बीमारियों से ग्रस्त कर्मचारियों को निशुल्क दवा दी गई। सीएमएचओ डॉ. महेश मालवीय ने बताया कि जिले में फिट हेल्थ वर्कर अभियान २ से २३ अक्टूबर तक चलाया जा रहा है। इसमें स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण व उपचार किया जा रहा है। जिला चिकित्सालय के ट्रामा सेंटर स्थित एनसीडी क्लीनिक में सोमवार को चिकित्सा स्टाफ, स्टाफ नर्स, स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत अन्य स्टाफ का ब्लड प्रेशर जांच, शुगर, वजन व ऊंचाई परीक्षण कर निशुल्क दवाई वितरण की गई। दैनिक खान-पान और बदलती हुई जीवनशैली से लोगों के स्वास्थ्य में असंचारी रोगों के प्रकरण उच्च रक्तचाप व मोटापा जैसे रोगों की रोकथाम के लिए फिट हेल्थ वर्कर अभियान चलाया जा रहा है। इसमें एनसीडी क्लीनिक के स्टाफ मनीष व्यास और नीलम वैद्य द्वारा हेल्थ वर्कर का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

मूसलाधार से कहीं नुकसान तो कहीं फायदा

रतलाम जिले में रविवार देर रात मूसलधार बारिश से कहीं खुशी कहीं गम जैसी स्थिति निर्मित हो गई। जगह–जगह सड़कों के साथ खेतों में जलजमाव हो गया। इससे आमजन व किसान परेशान हो गए। अब तक 1122.3 मिमी (44 इंच से अधिक) बारिश हो चुकी है। यह सामान्य बारिश 871.3 मिमी (साढ़े 34 इंच से अधिक) से साढ़े नौ इंच ज्यादा और गत वर्ष 1750.5 मिमी (69 इंच) से 25 इंच कम है। जिले में मौसम के मिजाज बार–बार बदल रहे हैं। कभी धूप–छांव का खेल चल रहा है तो कभी बारिश हो रही है। रविवार रात 11:45 बजे अचानक पलटी मारी और मूसलधार बारिश शुरू हो गई। तेज बारिश का सिलसिला लगातार एक घंटे तक चलता रहा। इससे चारों तरफ पानी ही पानी हो गया। सुबह 8 बजे समाप्त हुए बीते चौबीस घंटों के दौरान जिले में औसत 33.5 मिमी बारिश हुई। आलोट में 9 मिमी, जावरा में 27 मिमी, ताल में 82 मिमी, पिपलौदा में 2 मिमी, रतलाम में 50 मिमी, रावटी में 88.1 मिमी, सैलाना में 10 मिमी पानी बरसा। गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष सभी तहसीलें पिछड़ी हुई हैं। आलोट तहसील में 1167 मिमी, जावरा में 580 मिमी, ताल में 877 मिमी, पिपलौदा में 542 मिमी, बाजना में 174 मिमी, रतलाम में 371 मिमी, रावटी में 867.1 मिमी, सैलाना में 448 मिमी बारिश कम हुई है। जिले की अब तक की सामान्य बारिश 871.3 मिमी और कुल सामान्य बारिश 918.3 मिमी है। खेतों में जलजमाव से परेशानी – जिले के अनेक गांव में देर रात अच्छी बारिश हुई। इस बारिश से जहां भूमिगत जलस्तर बढ़ेगा, वहीं आगामी रबी फसलों को भी लाभ पहुंचेगा। कुछ किसानों को असमय बारिश ने चिंता में डाल दिया है। गांव चौराना के प्रगतिशील किसान तूफानसिंह सोलंकी ने बताया कि किसानों ने हाल फिलहाल में जिन खेतों में बोवनी की थी, वहां भारी बारिश से जलभराव की समस्या उत्पन्ना हो गई है। फसल खराब होने व अंकुरण पर फर्क पड़ने से किसानों को नुकसान होगा। किसानों ने वर्तमान में मटर, लहसुन, आलू, प्याज की नर्सरी आदि अनेक रबी फसलों की बोवनी कर दी है। इनमें अतिवृष्टि से नुकसान की संभावना है।

बालिका को बचाने पहुंचे डायल-100 के अमले से मारपीट

जावरा। बड़ावदा पुलिस थाने की डायल–100 पर तैनात आरक्षक गोविंद गेहलोत को ग्राम बड़ोदिया की एक बालिका ने रविवार की अलसुबह सूचना दी कि वह परेशान होकर आत्महत्या करने जा रही है। उक्त सूचना पर डायल–100 चालक शौकत एवं आरक्षक गेहलोत सुबह करीब पांच बजे ग्राम बड़ोदिया पहुंचे। बालिका को समझाइश देने के लिए थाने पर लाने लगे, तो उसके परिवार के बड़ावदा पुलिस थाने की डायल–100 पर तैनात आरक्षक गोविंद गेहलोत को ग्राम बड़ोदिया की एक बालिका ने रविवार की अलसुबह सूचना दी कि वह परेशान होकर आत्महत्या करने जा रही है। उक्त सूचना पर डायल–100 चालक शौकत एवं आरक्षक गेहलोत सुबह करीब पांच बजे ग्राम बड़ोदिया पहुंचे। बालिका को समझाइश देने के लिए थाने पर लाने लगे, तो उसके परिवार के स्वजन रणछोड़, मोहनलाल, जगदीश, जोकरलाल, दरबारसिंह ने बालिका को रोकने का प्रयास किया। इस बीच परिवार के स्वजनों ने आरक्षक गेहलोत व चालक शौकत के साथ मारपीट की। इस मामले में औद्योगिक थाना पुलिस ने आरोपितों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया। पुलिस ने आरोपित जगदीश, मोहनलाल व जोकरलाल को गिरफ्तार किया। फरार आरोपित रणछोड़ व दरबारसिंह की तलाश में पुलिस जुटी हुई है। उक्त मामले की जांच औद्योगिक थाना टीआई जनकसिंह रावत कर रहे है।

फिल्मी दुनिया

कंगना पर FIR का कोर्ट का आदेश

सांप्रदायिक नफरत फैलाने के जुर्म में

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। कर्नाटक में एफआईआर दर्ज होने के बाद अब मुंबई की बांद्रा कोर्ट ने कंगना रनोट के खिलाफ ट्वीट और इंटरव्यू के जरिए सांप्रदायिक नफरत फैलाने के आरोप में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुन्ना वराली और साहिल अशरफ सैयद ने अदालत में याचिका दायर कर भड़काऊ ट्वीट के लिए कंगना रनोट के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी। याचिका में यह आरोप लगाया गया था कि कंगना अपने ट्वीट और टीवी चौनलों पर दिए इंटरव्यू के जरिए हिंदू और मुस्लिम कलाकारों के बीच खाई पैदा कर रही हैं। इस याचिका में कहा गया था कि कंगना अपने ट्वीट के जरिए दो समुदायों के बीच नफरत को बढ़ावा दे रही हैं। कंगना पर सांप्रदायिकता को बढ़ावा देने का आरोप भी लगाया गया था।याचिकाकर्ताओं के अनुसार, बांद्रा पुलिस स्टेशन ने इस मामले में कोई एक्शन लेने से मना कर दिया था, इसकी वजह से उन्होंने अदालत की शरण ली। कोर्ट ने कंगना रनोट के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने को कहा है। एफआइआर दर्ज होने के बाद कंगना रनोट से पूछताछ होगी और यदि पुख्ता सबूत मिले तो उनकी गिरफ्तारी भी हो सकती हैं। कंगना रनोट बॉलीवुड में नेपोटिज्म के खिलाफ लगातार आवाज उठाती रही हैं। उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत को न्याय दिलाने के लिए भी मुहिम छेड़ी हुई हैं। केंद्र सरकार द्वारा पारित कृषि कानूनों का विरोध करने वाले लोगों पर की गई टिप्पणी को लेकर कंगना रनोट के खिलाफ कर्नाटक पुलिस ने 13 अक्टूबर को एफआईआर दर्ज की थी। तुमाकुरु पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर यह मामला दर्ज किया था। वकील रमेश नाइक की याचिका के आधार पर तुमकुरु के प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने कंगना के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने का आदेश दिया था।

भारतीय टेलिवीजन इंडस्ट्री की प्रसिद्ध कलाकारा दिव्यांका त्रिपाठी !

दिव्यांका त्रिपाठी भारतीय टेलीविजन इंडस्ट्री के लोकप्रिय कलाकारों में से एक है। स्टार प्लस के सीरियल ये है मोहब्बतें में डॉ. इशिता भल्ला का किरदार निभाने के लिए उन्हें जाना जाता है। साल 2003 में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करने वाली दिव्यांका त्रिपाठी ने इन 17 सालों में अपना बड़ा फैन बेस तैयार कर लिया है। दिव्यांका त्रिपाठी को ये है मोहब्बतें की डॉ. इशिता भल्ला के किरदार ने लोकप्रियता दिलाई, लेकिन वे इसके अलावा कई लोकप्रिय टीवी सीरियलों में नजर आ चुकी हैं। दिव्यांका त्रिपाठी द्वारा निभाए गई कुछ प्रमुख अवतारों के बारे में आपको बताते हैं। जी टीवी पर बनू मैं तेरी दुल्हन सीरियल की शुरुआत अगस्त 2006 में हुई थी। इस सीरियल में दिव्यांका त्रिपाठी ने दोहरी भूमिका निभाई थी, जिसके लिए उन्हें भारतीय टेलीविजन अकादमी द्वारा सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार प्रदान किया था। इसकी कहानी छोटे शहर की महिला दिव्या पर आधारित थी, जो एक अमीर उद्योगपति सागर से शादी कर दिल्ली पहुंच जाती है। दिव्यांका ने इस सीरियल में विद्याधदिव्या की भूमिकाएं निभाई थी। स्टार प्लस चौनल पर दिसंबर 2013 से ये है मोहब्बतें की शुरुआत हुई थी। इसकी कहानी तमिल डॉक्टर इशिता अय्यर और पंजाबी सीईओ रमन भल्ला की लव स्टोरी पर आधारित थी। परिस्थितियां ऐसी बनती है कि

रमन भल्ला की बेटी रूही भल्ला और इशिता इमोशनली एक–दूसरे के करीब आ जाती हैं। इसकी वजह से इशिता और रमन की शादी होती है और फिर वे एक–दूसरे को प्यार करने लगते हैं। कोल्ड लस्सी और चिकन मसाला एक रोमांटिक वेब सीरीज है जिसमें दिव्यांका त्रिपाठी और राजीव खंडेलवाल मुख्य भूमिका में हैं। इस सीरीज की कहानी होटल मैनेजमेंट के दो स्टूडेंट्स नित्या और विक्रम के इर्दगिर्द घूमती है, जो आगे चलकर शेफ हो जाते हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म एएलटी बालाजी पर इस वेब सीरीज का प्रीमियर 3 सितंबर 2019 को किया गया था। यह सीरीज जी 5 पर भी उपलब्ध है।

सनी देओल की प्रॉपर्टी ओर बैंक बैलेन्स l

क्या आप जानते है सनि देआर की का बेंक बेलेन्स नही तो पढे ये आर्टी कल के साथ फिटनेस के राज

फिल्म स्टार और भाजपा सांसद सनी देओल 19 अक्टूबर को 64 साल के हो गए हैं। सनी देओल ने फिल्मों के डायलॉग आज भी उनके फैन्स को मुंहजबानी याद हैं। सनी देओल की फिटनेस आज भी युवाओं को प्रेरित करती है। बहुत कम लोगों को सनी देओल की फिट बॉडी के राज पता है। फिट रहने के लिए सनी हर दो घंटे में कुछ न कुछ खाते हैं। वहीं शराब और सिगरेट जैसी बुराइयों से कोसों दूर रहते हैं। सनी देओल ने भले ही नाम और शौहरत कमा ली हो, लेकिन उनका खाना अभी भी देसी है। वे सुबह नाश्ते में बाजरे और मक्की की रोटी दही के साथ खाते हैं। दिनभर में ज्यादातर मौकों पर शाकाहारी खाना ही खाते हैं। दही, मक्खन, हरी सब्जियां उन्हें खासतौर पर पसंद हैं। खुद को फिट रखने के लिए वे टेबल टेनिस और स्कवैश खलते हुए पसीना बहाते हैं।सनी देओल के पास कितनी प्रॉपर्टी हैसनी देओल ने अब फिल्में कम कर दी हैं, लेकिन एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, वे 365 करोड़ की संपत्ति के मालिका है। यह जानकारी 2019 की है। अभी वे एक फिल्म के लिए 7 से 8 करोड़ रुपए फीस लेते हैं। बहुत कम लोगों को पता है कि का एक प्रोडक्शन हाउस भी है, जिसका नाम विजेता है। इसी बैनर तले शदिल्लगीश और शघायल वन्स अगेनश फिल्में बनी हैं। इसके अलावा"नददल क्मवस कई प्रोडक्ट्स के ब्रांड एम्बेसेडर भी हैं। हर ब्रांड को प्रमोट करने के लिए वे करीब 2 करोड़ रुपए फीस लेते हैं। "नददल क्मवस सनी लक्स कोजी, फॉर्मट्रैक ट्रैक्टर, बीकेटी टायर जैसी कंपनियों के लिए एड बना चुके हैं। सनी देओल के पास कई लग्जरी गाड़ियां भी हैं। इनमें पोर्शे के अलावा ऑडी ए8 और रेंज रोवर शामिल हैं।"नददल क्मवस अब राजनीति में भी आ गए हैं। 23 अप्रैल 2019 को उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया था और अभी गुरदासपुर से भाजपा सांसद हैं। हाल ही में कीतउमदकतं ने सोशल मीडिया पर एक पुरानी तस्वीर शेयर की। यह तस्वीर उनके एक शूट की है जिसमें धर्मेंद्र के लिए सनी देओल ने बॉडी डबल का काम किया था। धर्मेंद्र ने ट्विटर पर एक फोटो शेयर की है जिसमें एक शख्स एक हाथ से पुश अप करता दिख रहा है। लॉकडाउन में मां के साथ गुजारा वक्त कोरोना वायरस लॉकडाउन में सभी को अपने परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का मौका भी मिला।"नददल क्मवस ने भी इस समय का पूरा इस्तेमाल किया। उन्होंने अपनी मां प्रकाश कौर के साथ अच्छा समय गुजारा। सनी देओल ने अपने इंस्टाग्राम पर उनकी और मां प्रकाश कौर की फोटो शेयर की थी। इस फोटो में मां प्रकाश कौर बड़े ही प्यार से सनी देओल के कंधे पर सर रखकर बैठी हैं।

भाषण के दौरान बार-बार खाँसते दिखे चीन के राष्ट्रपति जिंनपिंग

एक भाषण के अंतिम 10 मिनट के दौरान उन्हें को बार–बार खांसते हुए सुना जा सकता है। चीन के राष्ट्रपति का एक अजीब वीडियो सामने आया है। इसमें वे एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे हैं लेकिन बोलने के दौरान ही उन्हें बीच में बार–बार खांसी आ जाती है। वे गला ठीक करके कुछ बोलते हैं और फिर से खांसी आती है। इस घटनाक्रम का वीइस घटनाक्रम का वीडियो अब वायरल हो रहा है। यूज ने जारी किया है। असल में, कोरोना के प्रकोप के बीच उनकी सेहत को लेकर अटकलें लगाई ही जा रही थीं कि यह घटना हो गई वह भी सबके सामने। शी जिनपिंग चीन के पहले विशेष आर्थिक क्षेत्र के निरंतर विकास को बढ़ावा देने के लिए इस सप्ताह के शुरू में शेनझेन में एक भाषण के दौरान बोल रहे थे। बुधवार को हांगकांग के करीब शेन्जेन में एक भाषण के अंतिम 10 मिनट के दौरान उन्हें को बार–बार खांसते हुए सुना जा सकता है। स्टेट टीवी ने बार–बार खांसी आने के दौरान शी से दूर किया, लेकिन उस पल उन्होंने अपने हाथ को अपने मुंह से पकड़ा। अपने गले को साफ करने के लिए राष्ट्रपति ने एक गिलास पानी से छींटे मारे और यह भी ऑडियो में दर्ज हो गया। हालांकि चीन के कड़े नियंत्रण वाले चीन में शी के स्वास्थ्य के बारे में कोई खबर नहीं देखी गई थी, लेकिन बीजिंग के आलोचकों ने इस अवसर को लपकने में कोई समय बर्बाद नहीं किया। अब कोरोवायरस के प्रकोप के बीच चीनी राष्ट्रपति के स्वास्थ्य के बारे में अनुमान लगाया जा रहा है। इस बीच, एपोच टाइम्स ने खुले तौर पर सवाल किया कि क्या शी के पास वायरस है। शी की शेनजेन यात्रा दक्षिण चीन के दौरे के बीच हुई, जहां उन्हें मुखौटा के बिना भीड़ से मिलने की तस्वीर दिखाई गई है। मालूम हो कि चीन में आधिकारिक तौर पर प्रति दिन वायरस के लगभग एक दर्जन मामलों की रिपोर्ट दर्ज होती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह बहुत कम संभावना है कि शी वायरस से संक्रमित होंगे। हालांकि चीन की भीड़ ने उनकी खांसी को रोक दिया, यह दर्शाता है कि यह मुद्दा राजनीतिक रूप से कितना संवेदनशील है।

नही मिला बोनस तो रेलवे कर्मचारी कर सकते है जाम

त्योहरों के समय पर बोनस मिलने से रेलवे कर्मचारियों में नाराजगी हैं। ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन ने अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि २० अक्टूबर तक बोनस का पैसा नहीं मिला तो चक्का जाम किया जाएगा। रेलवे कर्मचारियों को हर साल दुर्गा पूजा तक उत्पादकता से जुड़ा बोनस का पैसा मिल जाता है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं होने से कर्मचारी नाराज है।के महासचिव शिव गोपाल मिश्रा ने कहा कि ब्वअपक-१६ महामारी के दौरान रेलवेकर्मियों ने हफ्ते में सातों दिन २४ घंटे काम किया, लेकिन सरकार रेलवे कर्मियों की इस मांग की अनदेखी कर रही है। उन्होंने कहा, वर्चुअल बैठक में यह फैसला किया गया कि रेल मंत्रालय द्वारा यदि २० अक्टूबर तक उत्पादकता से जुड़े बोनस के आदेश नहीं किए जाते हैं तो २२ अक्टूबर को सीधी कार्रवाई की जाएगी। २२ अक्टूबर को रेलवे का चक्का जाम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि रेलवे बोर्ड ने बोनस से संबंधित फाइल वित्त मंत्रालय को भेजी है, जिस पर अभी तक मंजूरी नहीं मिली है। हमेशा दुर्गा पूजा से पहले भुगतान कर दिया जाता है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं किया गया है। सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों की वजह से भी कर्मचारियों में आक्रोश है। मीटिंग में निजीकरण, आउट सोर्सिंग, ओल्ड पेंशन स्कीम और भत्तों के मुद्दों पर भी विचार-विमर्श हुआ और चिंता व्यक्त की गई। के जोनल महामंत्री आरडी यादव ने बताया कि २० अक्टूबर को बोनस दिवस मनाते हुए देश भर में ध रना-प्रदर्शन किया जाएगा। २२ अक्टूबर को रेल का चक्का जाम किया जाएगा। इस आंदोलन को श्रेल बचाओ, देश बचाओश आंदोलन के रूप में किया जाएगा।

सर्दी में कोरोना बढने कि ज्यादा संभावना । अभी तक मास्क ही वैक्सीन है ।

हुत जल्द सर्दी का समय शुरू होने वाला है। ऐसे में यह खबर बहुत परेशानी पैदा कर सकती है। वैज्ञानिकों के इस नए खुलासे के बाद कोरोना को लेकर अब और सतर्कता बरतने की जरूरत है। आम जनता के लिए यह चेतावनी भरी सूचना है। आधा अक्ष्टूबर बीत चुका है।बहुत जल्द्द सर्दी का समय शुरू होने वाला है। ऐसे में यह खबर बहुत परेशानी पैदा कर सकती है कि ठंड के दिनों में कोरोनावायरस का खतरा घटने की बजाय और बढ़ेगा। वैज्ञानिकों के इस नए खुलासे के बाद कोरोना को लेकर अब और सतर्कता बरतने की जरूरत है।विज्ञानियों ने सर्दी के मौसम में कोरोना संक्रमण बढ़ने का अंदेशा जताया है। उनका कहना है कि गर्मी के मौसम में कोरोना वायरस फैलने का एक बड़ा कारण संक्रमित छोटे आकार के एरोसॉलकणों (हवा में मौजूद ठोस या वाष्प कण) के संपर्क में आना है। जबकि सर्दी में संक्रमण फैलने का मुख्य कारण सांस छोड़ने, खांसने या छींकने के दौरान मुंह और नाक से निकली बूंदों के सीधे संपर्क में आना हो सकता है। नैनो लेटर्स पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, कोरोना संक्रमण से बचने के लिए इस समय शारीरिक दूरी के जिन दिशा–निर्देशों का पालन किया जा रहा है, वे अपर्याप्त हैं।

अमेरिका की कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी की शोधकर्ता यानयिंग झू ने कहा, छह फीट की शारीरिक दूरी बनाने की सलाह दी जाती है, लेकिन हमने ज्यादातर स्थितियों में सांस से निकलतरल कणों को छह फीट से अधिक दूर जाते पाया है। विशेषज्ञों ने बताया कि घरों के भीतर कम तापमान के चलते वायरस अधिक समय तक संक्रामक रहता है। जबकि यह वायरस वातावरण में कुछ मिनटों से लेकर एक दिन से ज्यादा समय तक संक्रामक रह सकता है।

राहुल गांधी से बोले सीएम शिवराज, खेद नहीं कमलनाथ पर कार्रवाइ चाहिए

मुरैना के जौरा में आयोजित सभा में मुख्यमंत्री ने इमरती देवी प्रकरण को लेकर फिर साधा कमलनाथ पर निशाना। मंत्री इमरती देवी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी पर पूर्व सीएम कमल नाथ के खेद व्यक्त करने के बावजूद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को मुरैना के जौरा में फिर उन पर जोरदार निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कमल नाथ ने माफी नहीं मांगी है, उन्होंने कहा है कि किसी को बुरा लगा हो तो.., क्या वह अपनी सरकार में मंत्री रहीं इमरती देवी का नाम तक नहीं जानते। उन्हें कहना चाहिए था, इमरती देवी मुझसे गलती हुई मुझे माफ कर दो। उन्होंने कांग्रेस वरिष्ठ नेता व संसद राहुल गांधी को लेकर भी कहा कि पता चला है कि राहुल गांधी ने इस पर खेद व्यक्त किया है परंतु हमें खेद नहीं चाहिए हमें कार्रवाई चाहिए। जनता की ओर इशारा करते हुए उन्होंने पूछा कि क्या मां बेटियों के अपमान करने वाले व्यक्ति को कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि कमल नाथ शिवराज के बारे में तमाम बातें कहते हैं, शिवराज सुन लेगा पर प्रदेश की बहन बेटियों के खिलाफ अपशब्द नहीं बर्दाश्त करेगा। उन्होंने कहा कि कमल नाथ ने अपनी टिप्पणी पर सफाई दी है कि उन्होंने कोई गलत शब्द नहीं कहा है। हर कोई आइटम है आइटम तुम भी आइटम में भी, लेकिन मैं पूछना चाहता हूं कि क्या कमलनाथ के परिवार पर किसी को कोई आइटम कहेगा तो क्या वह बर्दाश्त कर लेंगे। उन्होंने कहा कि इमरती देवी तीन बार कांग्रेस से विधायक रहीं, सरकार की मंत्री थी उनकी जब भ्रष्टाचार की लंका को छोड़कर भाजपा में आ गई तो कमलनाथ उनसे अपशब्द कह रहे हैं इसका बदला देश की जनता उनसे लेगी।

कमल नाथ पर सिंधिया की गरज भारी पडी ।

भाजपा प्रत्याशी इमरती देवी पर टिप्पणी के बाद कमल नाथ को सिंधिया ने आड़े हाथों लिया। डबरा विधानसभा के छीमक में सभा करने आये राज्यसभा सदस्य ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा एक बाहरी आदमी मेरी इमरती को कुछ भी कह देगा ये हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। ये चुनाव अब इमरती का नहीं सिंधिया का है। इस दौरान इमरती देवी मंच पर आंसू अपने पल्लू से पोंछती रहीं। वहीं दूसरी ओर प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री इमरती देवी ने मंगलवार को कहा कि वे कमल नाथ को मरते दम तक माफ नहीं कर सकती। वरिष्ठ नेताओं से चर्चा के बाद वे तय करेंगी कि उनके खिलाफ क्या करना है। वे चाहती हैं कि कमल नाथ पर एफआइआर हो, एससीएसटी एक्ट लगे। भांडेर की सभा में दिए गए आपत्तिजनक बयान को लेकर पूर्व सीएम कमल नाथ ने सोमवार रात खेद व्यक्त कर चुके हैं, हालाकि उन्होंने इमरती देवी का नाम नहीं लिया है। मंगलवार को डबरा विधानसभा के छीमक में चुनावी सभा को संबोधित करने पहची इमरती देवी से पत्रकारों ने जब पूछा कि क्या उन्होंने कमल नाथ को माफ कर दिया, तो उन्होंने कहा कभी नहीं कर सकती, मैं मरते दम तक कमल नाथ को माफ नहीं करूंगी। उन्होंने कहा कि वे पार्टी के वारिष्ठ नेताओ ज्योतिरादित्य सिंधिया, नरेंद्र सिंह तोमर, नरोत्तम मिश्रा आदि से बात करेंगी कि क्या करना चाहिए, जैसी सलाह देंगे, उनके नेतृत्व में उनसे पूछा गया कि वे क्या चाहती हैं, तो उन्होंने कहा कमल नाथपर एफआइआर होना चाहिए। एससीएसटी एक्ट लगे। चुनाव बाद करूंगी, जो मुझे करना है पूर्व मुख्यमंत्री की टिप्पणी पर इमरती देवी पीछे हटती नहीं नजर आ रही हैं। उन्होंने कहा कि अभी चुनावी माहौल है वे भी वयस्त हैं, लेकिन चुनाव बाद बताएंगी कि उन्हें क्या करना है। उन्होंने कहा कमल नाथ क्या चाहते हैं कोई महिला, गरीब मजदूर की बेटी बाहर न निकले।

स्वत्वाधिकारी , मुद्रक , प्रकाशक , सम्पादक अविनाश जाजपुरा के द्वारा यश प्रिन्टीगं प्रेस स्कीम नम्बर ३६ ए कलेक्टर कार्यालय के सामने से मुद्रीत एवं कास्मों स्कुल के पास इन्द्रा नगर नीमच से प्रकाशित / संपर्क 9893796737 (सभी विवादो को न्यायिक क्षैत्र नीमच रहेगा।)